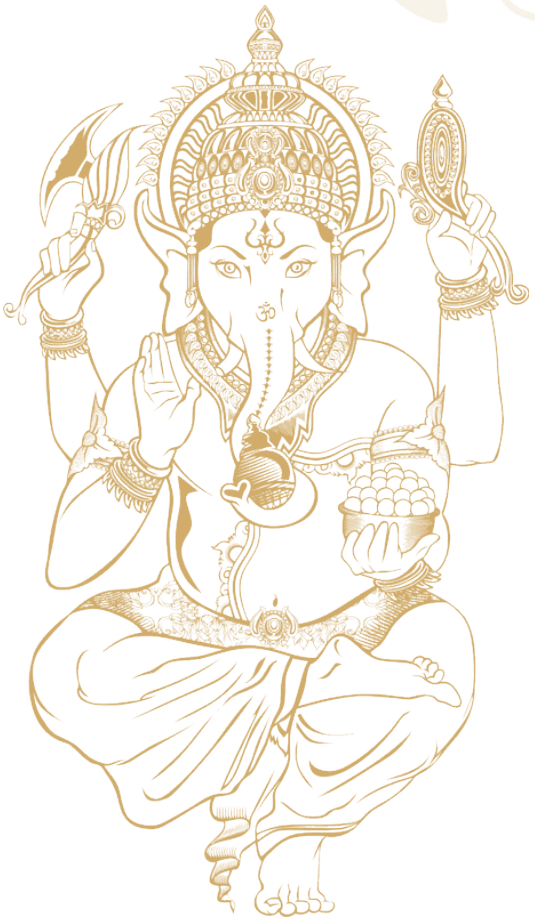

Gurmeet Singh

07 Jul 1987

05:05 PM

Ambala

Model: web-freekundliweb

Order No: 121539704

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**07/07/1987**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**17:05:00 घंटे**
इष्ट	29:05:34 घटी
स्थान	**Ambala**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	30:19:00 उत्तर
रेखांश	76:49:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:42:16 घंटे
वेलान्तर	-00:04:45 घंटे
साम्पातिक काल	11:41:53 घंटे
सूर्योदय	05:26:46 घंटे
सूर्यास्त	19:28:02 घंटे
दिनमान	14:01:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	21:09:24 मिथुन
लग्न के अंश	19:18:10 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	साध्य
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	19:18:10	310:56:49	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
सूर्य			मिथु	21:09:24	00:57:11	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	सम राशि
चंद्र			वृश्चि	00:04:34	14:09:28	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	नीच राशि
मंगल		अ	कर्क	06:49:06	00:38:19	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	नीच राशि
बुध	व	अ	मिथु	16:04:10	00:32:06	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	स्वराशि
गुरु			मेष	03:07:40	00:07:39	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	सूर्य	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	08:20:36	01:13:22	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
शनि	व		वृश्चि	22:13:54	00:03:35	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	12:33:21	00:05:20	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
केतु	व		कन्या	12:33:21	00:05:20	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	00:12:58	00:02:14	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
नेप	व		धनु	12:42:34	00:01:36	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
प्लूटो	व		तुला	13:29:56	00:00:22	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			कन्या	01:23:05	--	उ०फाल्गुनी	--	12	बुध	सूर्य	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:56

लग्न-चलित

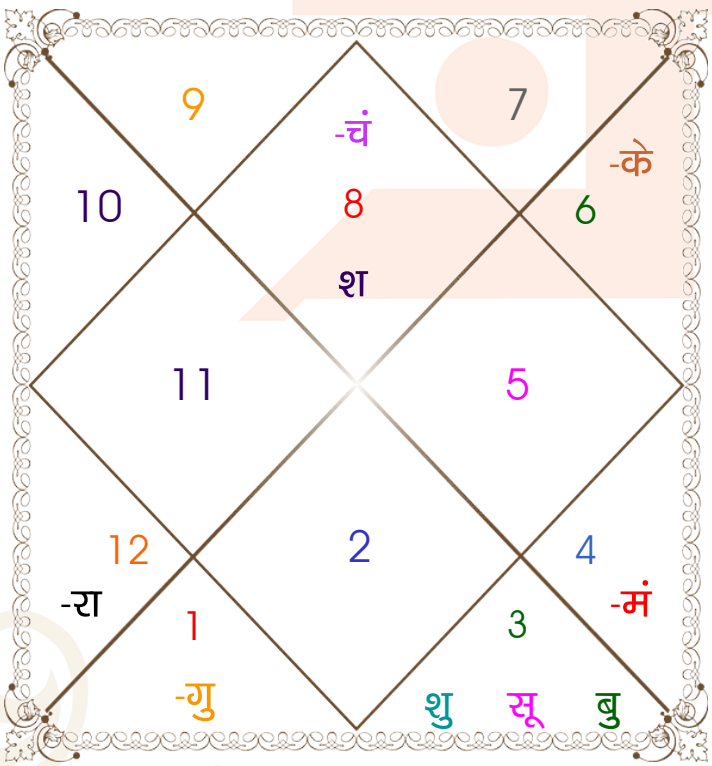

चन्द्र कुंडली

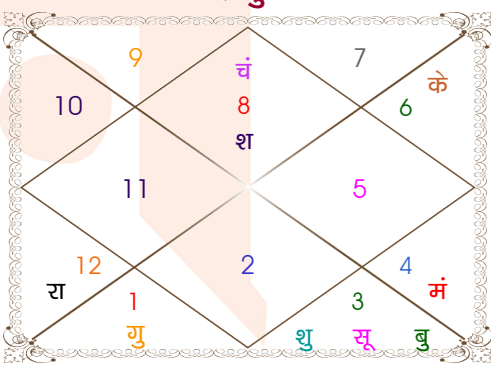

नवमांश कुंडली

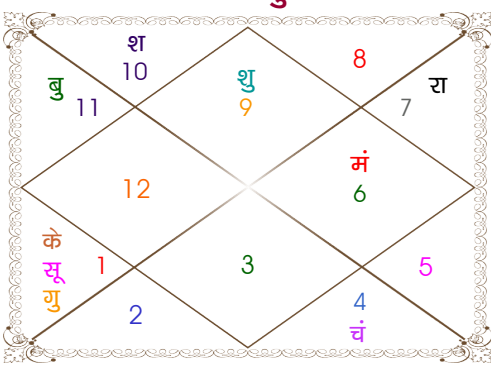

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 3 वर्ष 10 मास 27 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
07/07/1987		04/06/1991		04/06/2010		04/06/2027		04/06/2034	
04/06/1991		04/06/2010		04/06/2027		04/06/2034		04/06/2054	
	00/00/0000	शनि	07/06/1994	बुध	30/10/2012	केतु	31/10/2027	शुक्र	03/10/2037
	00/00/0000	बुध	14/02/1997	केतु	28/10/2013	शुक्र	30/12/2028	सूर्य	03/10/2038
	00/00/0000	केतु	26/03/1998	शुक्र	27/08/2016	सूर्य	07/05/2029	चंद्र	03/06/2040
	00/00/0000	शुक्र	25/05/2001	सूर्य	04/07/2017	चंद्र	06/12/2029	मंगल	03/08/2041
	00/00/0000	सूर्य	07/05/2002	चंद्र	03/12/2018	मंगल	04/05/2030	राहु	03/08/2044
	07/07/1987	चंद्र	07/12/2003	मंगल	30/11/2019	राहु	23/05/2031	गुरु	04/04/2047
चंद्र	02/02/1988	मंगल	14/01/2005	राहु	19/06/2022	गुरु	28/04/2032	शनि	04/06/2050
मंगल	08/01/1989	राहु	21/11/2007	गुरु	24/09/2024	शनि	06/06/2033	बुध	04/04/2053
राहु	04/06/1991	गुरु	04/06/2010	शनि	04/06/2027	बुध	04/06/2034	केतु	04/06/2054

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
04/06/2054		03/06/2060		04/06/2070		03/06/2077		04/06/2095	
03/06/2060		04/06/2070		03/06/2077		04/06/2095		00/00/0000	
सूर्य	21/09/2054	चंद्र	04/04/2061	मंगल	31/10/2070	राहु	15/02/2080	गुरु	22/07/2097
चंद्र	23/03/2055	मंगल	03/11/2061	राहु	18/11/2071	गुरु	10/07/2082	शनि	02/02/2100
मंगल	29/07/2055	राहु	04/05/2063	गुरु	24/10/2072	शनि	16/05/2085	बुध	11/05/2102
राहु	21/06/2056	गुरु	02/09/2064	शनि	03/12/2073	बुध	04/12/2087	केतु	17/04/2103
गुरु	10/04/2057	शनि	04/04/2066	बुध	30/11/2074	केतु	21/12/2088	शुक्र	16/12/2105
शनि	23/03/2058	बुध	03/09/2067	केतु	28/04/2075	शुक्र	22/12/2091	सूर्य	04/10/2106
बुध	27/01/2059	केतु	03/04/2068	शुक्र	28/06/2076	सूर्य	15/11/2092	चंद्र	08/07/2107
केतु	04/06/2059	शुक्र	03/12/2069	सूर्य	02/11/2076	चंद्र	16/05/2094		00/00/0000
शुक्र	03/06/2060	सूर्य	04/06/2070	चंद्र	03/06/2077	मंगल	04/06/2095		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 3 वर्ष 10 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय संरूपण आकृति से यह परिलक्षित हो रहा है कि आपका जन्म जयेष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण में वृश्चिक लग्न में हुआ था। वृश्चिक लग्नोदय काल धनु राशि का नवमांश एवं मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका जन्म कालिक प्रभाव यह सूचित कर रहा है कि आप अपना विचार तो किसी अन्य कार्य के सम्बन्ध में रखते हैं, परंतु आप उद्देश्य के विपरीत कार्य सम्पादन करते हैं। आपके जीवन का लक्ष्य है कि आप पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर लें ताकि अपना आनन्दमय जीवन सुखपूर्वक बिता सके।

आपके बाहरी भाव से ऐसा परिदृश्य हो रहा है कि आप उच्चकोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप वार्ताक्रम में यह आश्वस्त कर देते हैं कि वस्तुतः क्या ठीक अथवा क्या गलत हैं। आपका आचरण धार्मिक है तथा आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्राणी हैं। परन्तु आपकी आन्तरिक भावना यह है कि आप विपरीत बातों के प्रति अपना धार्मिक उपदेश प्रदान करें। वास्तव में आपका झुकाव धन प्राप्ति की ओर रहती हैं। आपके मन में धन प्राप्ति के प्रति प्रबल उत्कंठा रहती हैं कि अपने जीवन का सम्पूर्ण आनन्द प्राप्त करें।

आप किसी भी प्रकार की अभद्रता पूर्ण कार्य-कलाप को त्यागने के लिए सक्षम हैं। आप पूर्ण शिक्षित, कुशाग्रबुद्धि के चालाक व्यक्ति हैं। आपमें यह विशेषता विद्यमान है कि आप जनसामान्य को अपनी ओर आकृष्ट कर लेते हैं। क्योंकि आपमें भाषा के प्रति अभिरूचि रहती है। आप काव्य-कला और सामान्य भाषा के ज्ञाता है। आपके लिए व्यवसायों में अनुकूल प्रेस, प्रकाशन, विज्ञापन, प्रचार, पुस्तकों का प्रकाशन तथा वाद्य यंत्र का निर्माण कार्य उपयुक्त है। यदि आपकी अभिरूचि हो तो आप अभियंत्रिकी कार्य भी सम्पादन कर सकते हैं।

आपको अच्छी प्रकार से यथेष्ठ धन प्राप्ति के सभी सुन्दर सुअवसर प्राप्त होंगे। परन्तु आप बहुतायत में धन का व्यय भी करेंगे। आप चाहते है कि जनसामान्य के दृष्टिकोण में प्रभावशाली दृश्य हों तथा मूल्यवान साज शय्याओं से युक्त घर सुसज्जित दिखें तथा आधुनिक सौन्दर्य से युक्त हो।

आप प्रेम प्रसंग में भी कुछ उपयुक्त हो सकते हैं। आप अपने जीवन संगिनी के प्रति श्रद्धा रखते हुए अत्यधिक द्रवित हो जाते हो। परन्तु यदि वह अस्वस्थ्यता प्रदर्शित करती है तो आप इसे भाग्य की विडम्बना समझकर अन्य स्त्री के साथ सम्बन्ध स्थापित करने को उद्यत हो जाते हो तथा इसे दुखद अनुभव करते हो तथा इसे संभावित घटना समझकर परित्याग करते हो। आप अपनी जीवन संगिनी के चयन के पूर्व आप अपने घरेलू कार्य-क्रम को विधिवत सम्पादित करते रहेंगे। आप अपने उत्तम जीवन-संगिनी के चयन एवं उत्तम तारतम्यता हेतु उस स्त्री का चयन करें जिसका जन्म वृश्चिक, कर्क, वृष, कन्या अथवा मकर राशि में हुआ हो।

आपका वासनात्मक उन्माद आपके स्वास्थ्य को समस्याग्रस्त बना सकता है। जिससे आपका गुप्तांग प्रभावित हो जायगा। अतः रोमांचकारी सीमा पर सावधानी पूर्वक चलें। इसके अतिरिक्त अन्य रोग यथा बवासीर एवं ट्यूमर रोग से भी आपका स्वास्थ्य अद्योगति को प्राप्त कर सकता है। अतः आपके लिए उचित मार्ग यह है कि आप अपने स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण

सतर्क रहें, अन्यथा आपके जीवन के 13 वें 27 वें एवं 49 वें वर्ष में गंभीर स्वास्थ्य बाधा उपस्थित हो जाएगी। यदि आप सुनियोजित ढंग से समुचित सतर्कता बरतें तो उपरोक्त रोगों से सुरक्षित रह सकते हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग, नारंगी, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु आप सफेद, हरा एवं नीले रंगों का परित्याग करे।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक अनुकूल एवं ग्राह्य है। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक अव्यवहारणीय है।

असाप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।